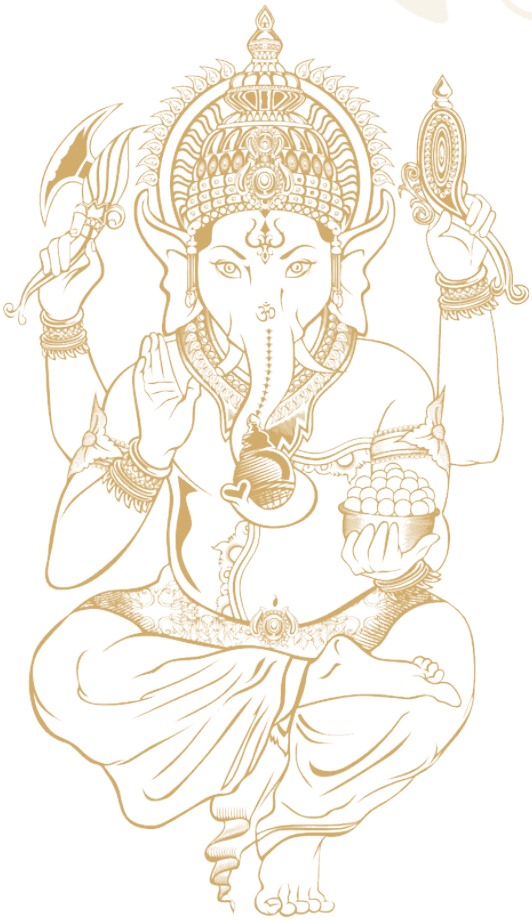

Mr. Rahul Vyas

Ms. Pragya

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119695701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119695701 Date: 08/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/10/1997	जन्म तिथि	02/12/1999
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 15:45:00	जन्म समय	10:50:00 घंटे
घटी 23:46:02	जन्म समय(घटी)	10:48:06 घटी
India	देश	India
Hyderabad	स्थान	Bikaner
17:22:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
78:26:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:16	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:35	सूर्योदय	07:11:06
17:45:12	सूर्यास्त	17:40:26
23:49:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:06
मीन	लग्न	मकर
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शनि
तुला	राशि	कन्या
शुक्र	राशि-स्वामी	बुध
स्वाति	नक्षत्र	हस्त
राहु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
3	चरण	1
आयुष्मान	योग	आयुष्मान
किंस्तुघ्न	करण	विष्टि
रो-रोहित	जन्म नामाक्षर	पू-पूजा
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	महिष
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	मूषक

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 7वर्ष 8मा 4दि		08:37:05	मीन	लग्न	मक	06:44:37	चन्द्र 8वर्ष 2मा 21दि	
शनि		14:12:07	तुला	सूर्य	वृश्चि	15:42:58	राहु	
06/07/2021		14:18:40	तुला	चंद्र	कन्या	12:21:56	22/02/2015	
06/07/2040		29:35:57	वृश्चि	मंगल	मक	10:41:42	22/02/2033	
शनि	09/07/2024	25:07:22	तुला	बुध	तुला	25:30:17	राहु	04/11/2017
बुध	19/03/2027	19:08:54	मक	गुरु व	मेष	01:44:38	गुरु	30/03/2020
केतु	27/04/2028	01:07:26	धनु	शुक्र	तुला	01:50:13	शनि	04/02/2023
शुक्र	28/06/2031	21:28:22	मीन व	शनि व	मेष	17:54:08	बुध	23/08/2025
सूर्य	09/06/2032	24:56:13	सिंह व	राहु व	कर्क	11:42:47	केतु	11/09/2026
चन्द्र	08/01/2034	24:56:13	कुंभ व	केतु व	मक	11:42:47	शुक्र	11/09/2029
मंगल	17/02/2035	11:02:02	मक	हर्ष	मक	19:40:46	सूर्य	05/08/2030
राहु	24/12/2037	03:29:38	मक	नेप	मक	08:23:43	चन्द्र	04/02/2032
गुरु	06/07/2040	10:36:03	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:27:37	मंगल	22/02/2033

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:31 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:06

लग्न-चलित

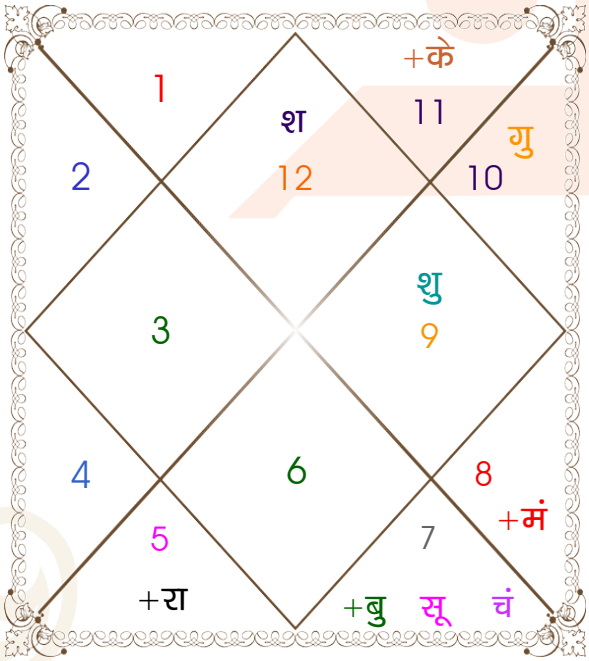

लग्न-चलित

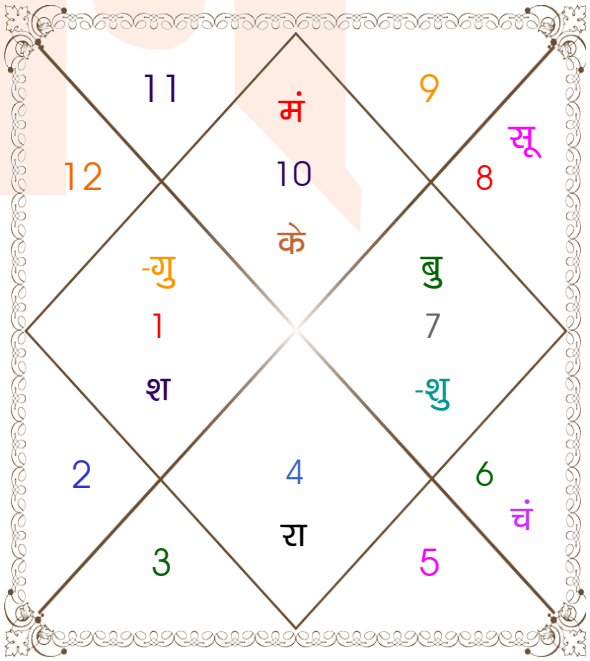

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.50		

कुल : **26.5 / 36**

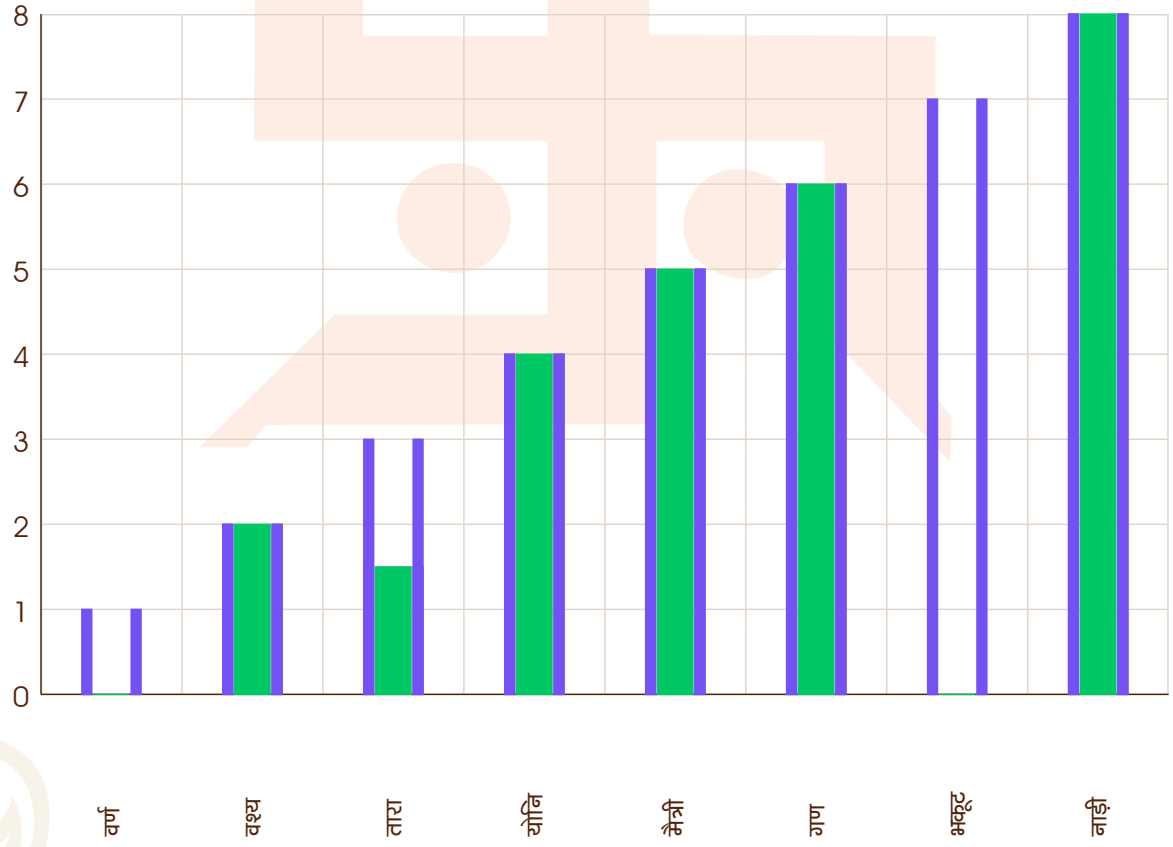

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. Rahul Vyas का वर्ग मृग है तथा Ms. Pragya का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Rahul Vyas और Ms. Pragya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Rahul Vyas मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms. Pragya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Ms. Pragya कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. Pragya कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr. Rahul Vyas कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. Rahul Vyas कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Rahul Vyas तथा Ms. Pragya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. Rahul Vyas का वर्ण शूद्र है तथा Ms. Pragya का वर्ण वैश्य है। क्योंकि Ms. Pragya का वर्ण Mr. Rahul Vyas के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms. Pragya अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह Ms. Pragya अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

Mr. Rahul Vyas का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms. Pragya का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr. Rahul Vyas एवं Ms. Pragya दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Mr. Rahul Vyas की तारा विपत तथा Ms. Pragya की तारा मित्र है। Mr. Rahul Vyas की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr. Rahul Vyas एवं Mr. Rahul Vyas के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Ms. Pragya हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Ms. Pragya को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Mr. Rahul Vyas की योनि महिष है तथा Ms. Pragya की योनि भी महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक

जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सक्षम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. Rahul Vyas एवं Ms. Pragya दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr. Rahul Vyas एवं Ms. Pragya के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr. Rahul Vyas एवं Ms. Pragya जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mr. Rahul Vyas का गण देव तथा Ms. Pragya का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr. Rahul Vyas से Ms. Pragya की राशि द्वादश भाव में स्थित है Ms. Pragya से Mr. Rahul Vyas की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Mr. Rahul Vyas परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Ms. Pragya का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Ms. Pragya की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Ms. Pragya तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

Mr. Rahul Vyas की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms. Pragya की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Mr. Rahul Vyas की अन्त्य नाड़ी तथा Ms. Pragya की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर

मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. Rahul Vyas की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा Ms. Pragya की राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या राशि है। पृथ्वी एवं वायु तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनके मध्य स्वभावगत असमानताएं रहेंगी फलतः यदा कदा आपसी संबधों में तनाव का भाव उत्पन्न होगा। अतः यह मिलान सामान्य रहेगा।

Mr. Rahul Vyas की राशि का स्वामी शुक्र तथा Ms. Pragya की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र राशियों में पड़ते हैं। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता होगी तथा एक सच्चे मित्र की तरह जीवन को सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे। Mr. Rahul Vyas और Ms. Pragya एक दूसरे के गुणों से प्रभावित रहेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। वे परस्पर सेवा सदभाव, सहयोग एवं समर्पण की भावना रखेंगे तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहायता प्रदान करने में तत्पर होंगे जिससे इनका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

Mr. Rahul Vyas तथा Ms. Pragya की राशियां परस्पर द्वादश एवं द्वितीय भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर संबधों में मतभेद तथा विरोध का भाव उत्पन्न होगा। इनके मानसिक स्तर पर भी मतभेद होंगे जिससे संबंधों में कटुता एवं तनाव उत्पन्न होगा। अतः यदि Mr. Rahul Vyas और Ms. Pragya बुद्धिमता से कार्य लें तथा परस्पर आलोचना तथा वैमनस्य के भाव का त्याग करें तो इनका वैवाहिक जीवन सुखमय हो सकता है।

Mr. Rahul Vyas और Ms. Pragya दोनौं का वश्य मानव है। इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Mr. Rahul Vyas का वर्ण शूद्र तथा Ms. Pragya का वर्ण वैश्य है। अतः Mr. Rahul Vyas की प्रवृति किसी भी कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से पूर्ण करने की रहेगी तथा Ms. Pragya धनार्जन संबधी कार्यो में सक्रिय रहेंगी तथा धन को विशेष वरीयता प्रदान करके वणिक बुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करेंगी ।

धन

Mr. Rahul Vyas और Ms. Pragya दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Mr. Rahul Vyas और Ms. Pragya दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से Mr. Rahul Vyas की प्रवृति व्ययशील होगी। वह जुआ सट्टा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि Mr. Rahul Vyas को ऐसी प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Mr. Rahul Vyas का जन्म अन्त्य तथा Ms. Pragya का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव Mr. Rahul Vyas को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से Mr. Rahul Vyas हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए Mr. Rahul Vyas को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोकत अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. Rahul Vyas और Ms. Pragya का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. Rahul Vyas और Ms. Pragya के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. Pragya के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. Pragya को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. Pragya को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. Rahul Vyas और Ms. Pragya सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. Rahul Vyas और Ms. Pragya का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Pragya के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के

मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms. Pragya के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms. Pragya अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms. Pragya के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr. Rahul Vyas की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Mr. Rahul Vyas सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Mr. Rahul Vyas ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Mr. Rahul Vyas के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।